।। अंतरी पेटवू ज्ञानज्योत ।।

NORTH MAHARASHTRA UNIVERSITY
JALGAON

Syllabus For

S. Y. B. A.

HINDI

(III[rd] & IV[th] Semister)

(w.e.f.June 2014)

द्वितीय वर्ष कला - हिंदी पाठ्यक्रम

(पाठ्यक्रम आरंभ जून 2014)

तृतीय सत्र (semester III)

HIN-231-A) हिंदी सामान्य -3 (G-3)

विकल्प

HIN-231-B) प्रयोजनमूलक हिंदी - 3 (G-3)

HIN-232 - काव्यशास्त्र - हिंदी विशेष -1 (S-1)

HIN-233 - उपन्यास विधा - हिंदी विशेष-2 (S-2)

चतुर्थ सत्र (semester IV)

HIN-241-A) हिंदी सामान्य -4 (G-4)

विकल्प

HIN-241-B) प्रयोजनमूलक हिंदी - 4 (G-4)

HIN-242 - काव्यशास्त्र - हिंदी विशेष -3 (S-3)

HIN-243 - नाटक विधा - हिंदी विशेष-4 (S-4)

उत्तर महाराष्ट्र विश्वविद्यालय, जलगाँव

(पाठ्यक्रम आरंभ जून 2014)

सूचनाएँ

1) इस पाठ्यक्रम हेतु सत्र पध्दति को अपनाया गया है।

2) प्रत्येक सत्र में 10 अंक अंतर्गत (Internal) मूल्यांकन के लिए तथा 40 अंक बाहय परीक्षा (External) के लिए होंगे।

3) हिंदी सामान्य (G-3/G-4) के लिए वैकल्पिक पेपर प्रयोजनमूलक हिंदी (G-3/G-4) होगा।

4) प्रत्येक सत्र के पाठ्यक्रम हेतु अध्यापनार्थ 45 तासिकाएँ अपेक्षित हैं ।

* तृतीय सत्र (III Semester) *

HIN-231- A) हिंदी सामान्य 3 (G-3)

उद्देश्य :

1) छात्रों को कहानी विधा से परिचित कराना ।

2) छात्रों को कहानियों के माध्यम से जीवन-मूल्यों से परिचित कराना।

3) छात्रों को समानार्थी एवं विलोमार्थी शब्दों से परिचित कराना ।

4) छात्रों में पल्लवन की क्षमता विकसित करना ।

पाठ्यक्रम

पाठ्यपुस्तक :

1) **कथासेतु** - संपादक, डॉ. उमाशंकर तिवारी, श्रीमती माधुरी सिंह

प्रकाशक - वाणी प्रकाशन, 21-ए, दरियागंज,

नई दिल्ली -110002

इस संकलन की निम्नलिखित कहानियाँ अध्ययन हेतु निर्धारित की गयी है -

1)	आकाशदीप	-	जयशंकर प्रसाद
2)	कफन	-	प्रेमचंद
3)	गैंग्रीन	-	अज्ञेय

4)	गदल	-	रांगेय राघव
5)	हत्या और आत्महत्या के बीच	-	शिवप्रसाद सिंह
6)	डिप्टी कलक्टरी	-	अमरकांत
7)	रसप्रिया	-	फणीश्वरनाथ रेणु
8)	चीफ की दावत	-	भीष्म साहनी
9)	दिल्ली में एक मौत	-	कमलेश्वर
10)	सुख	-	काशीनाथ सिंह

अपठित अंश :

क) समानार्थी एवं विलोमार्थी शब्द ।

ख) पल्लवन ।

संदर्भ ग्रंथ :

1) आधुनिक हिंदी व्याकरण और रचना -डॉ वासुदेवनंदन प्रसाद
प्रकाशक - भारती भवन, इलाहाबाद

.....

HIN-231- B) हिंदी प्रयोजनमूलक 3 (G-3)

(हिंदी सामान्य G-3 के लिए वैकल्पिक पेपर)

उद्देश्य :

1) मानक हिंदी और सांवैधानिक हिंदी का परिचय कराना ।
2) कार्यालयीन कार्यव्यवहार एवं पत्रव्यवहार की जानकारी देना ।
3) फाइलिंग प्रणाली की जानकारी देना।
4) शब्द संसाधन की जानकारी देना।

पाठ्यक्रम

1) मानक हिंदी : हिंदी मानकीकरण के प्रयत्न,मानक हिंदी का स्वरूप और नियमावली का परिचय ।

हिंदी का संवैधानिक स्वरूप : अनुच्छेद क्रमांक 343 से 351 का सामान्य ज्ञान। कार्यालयीन हिंदी प्रयोग की समस्याएँ एवं समाधान ।

2) फाइलिंग प्रणाली का ज्ञान : फाइलिंग का स्वरूप, प्रकार, आवश्यकता और विशेषताएँ ।

3) कार्यालयीन कार्यव्यवहार : प्रविष्टि , अनुभाग – डायरी ,मोहर, वितरण, आवती -जावती रजिस्टर, टिप्पण, पत्र का उत्तर प्रेषण , पावती ।

4) कार्यालयीन पत्राचार : कार्यालय ज्ञापन, कार्यालय आदेश, प्रतिवेदन, स्मरणपत्र,परिपत्र, संकल्प, तार, प्रेसनोट ।

5) शब्द संसाधन : अर्थभेदकारी शब्दयुग्म (नमूना सूची संलग्न)

संदर्भ ग्रंथ :

1) मानक हिंदी और भाषा - डॉ. भोलानाथ तिवारी
प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली ।

2) प्रयोजनमूलक हिंदी अधुनातन आयाम - डॉ. अंबादास देशमुख
शैलजा प्रकाशन, कानपुर

3) हिंदी भाषा का प्रयोजनमूलक स्वरूप - डॉ. कैलासचंद्र भाटिया
साहित्य भवन प्रा.लि. इलाहाबाद

4) प्रयोजनमूलक हिंदी भाग 2और भाग3- डॉ. उर्मिला पाटील
अतुल प्रकाशन ,कानपुर

5) प्रायोगिक व्याकरण एवं पत्रलेखन - डॉ. गोस्वामी
विद्या प्रकाशन ,कानपुर

* प्रयोजनमूलक हिंदी (G-3) हेतु अर्थ भेदाकारी शब्दयुग्म की नमूना सूची :

अनल	-	आग	अनिल	-	हवा
ईशा	-	ऐश्वर्य	ईषा	-	हल की लंबी लकडी
उपल	-	पत्थर	उत्पल	-	कमल
कंगाल	-	गरीब	कंकाल	-	ठठरी,हड्डियों का ढाँचा
दिन	-	दिवस	दीन	-	गरीब
कुल	-	वंश	कूल	-	किनारा
खासी	-	अच्छी	खाँसी	-	एक रोग

गाडी	-	वाहन	गाढी	-	गहरी
गृह	-	घर	ग्रह	-	नक्षत्र
चिर	-	पुराना	चीर	-	कपडा
छत्र	-	छाता	छात्र	-	विद्यार्थी
जलद	-	बादल	जलज	-	कमल
तरंग	-	लहर	तुरंग	-	घोडा
तोश	-	हिंसा	तोष	-	संतोष
दिवा	-	दिन	दीवा	-	दीपक
निशाचर	-	राक्षस	निशाकर	-	चंद्रमा
नीर	-	जल	नीड	-	घोसला
परीक्षा	-	इम्तिहान	परिक्षा	-	कीचड
पानी	-	जल	पाणि	-	कर
बहु	-	बहुत	बहू	-	पुत्रवधू
रंक	-	दरिद्र	रंग	-	वर्ण
शर	-	बाण	सर	-	सरोवर
सदेह	-	देह के साथ	संदेह	-	शक
स्वेद	-	पसीना	श्वेत	-	सफेद
हरि	-	विष्णु	हरी	-	हरे रंग की
आदि	-	आरंभ / इत्यादि	आदी	-	कोई कार्य बारबार करना
अली	-	सखी	अलि	-	भौंरा
अवधि	-	समय	अवधी	-	हिंदी की बोली
अभिराम	-	सुंदर	अविराम	-	निरंतर
अनिष्ठ	-	निष्ठाहिन	अनिष्ट	-	हानि, बुराई
कपि	-	बंदर	कपी	-	घिरनी
चिता	-	शमशान की चिता	चीता	-	एक वन्य जीव
कंजर	-	नीच पुरूष	कुंजर	-	हाथी
तरणी	-	नौका	तरूणी	-	युवा स्त्री
देव	-	देवता	दैव	-	भाग्य

.....

HIN- 232 - काव्यशास्त्र - हिंदी विशेष -1 (S-I)

उद्देश्य :

1) काव्यशास्त्र का सामान्य परिचय कराना ।
2) काव्य की विविध विधाओं से परिचित कराना ।
3) अलंकारों का परिचय कराना ।

पाठ्यक्रम

1) काव्य तथा साहित्य की परिभाषाएँ - संस्कृत, अंग्रेजी तथा हिंदी की प्रचलित परिभाषाओं की व्याख्या ।
2) क) काव्य के हेतु ।
   ख) काव्य के प्रयोजन (भारतीय एवं पाश्चात्य)
   (सूक्ष्म अध्ययन अपेक्षित नहीं)
3) काव्य के तत्त्व - भावतत्त्व, बुध्दितत्त्व, कल्पनातत्त्व एवं शैलीतत्त्व
4) काव्य के भेद :
   अ) भेद का आधार - श्रवणीयता एवं दृश्यात्मकता ।
   आ) प्रबंधकाव्य : महाकाव्य एवं खंडकाव्य ।
   मुक्तक काव्य : गीतिकाव्य, गजल (स्वरूप एवं अंग)।
   मुक्तक एवं प्रबंध काव्य में अंतर ।
5) अलंकार -
   अ) काव्य में अलंकारो का स्थान
   आ) निम्नलिखित अलंकारो का सोदाहरण परिचय
   1) अनुप्रास 2) यमक 3) श्लेष 4) उपमा 5) दृष्टांत
   6) विरोधाभास 7) अतिशयोक्ति 8) संदेह 9) भ्रांतिमान 10) उदाहरण

संदर्भ ग्रंथ :

1) साहित्य विवेचन - क्षेमचंद्र सुमन, योगेन्द्रकुमार मलिक
2) काव्यशास्त्र:विविध आयाम - सं. डॉ. मधु खराटे
3) काव्यशास्त्र - डॉ.भगिरथ मिश्र
4) काव्य प्रदीप - कन्हैयालाल पोद्दार

5) साहित्यशास्त्र - डॉ.चंद्रभानु सोनवणे

6) साठोत्तरी हिंदी गजल - डॉ. मधु खराटे

.....

HIN- 233 - उपन्यास विधा - हिंदी विशेष - 2 (S-II)

उद्देश्य :

1) उपन्यास विधा की विशेषताओं से परिचय कराना ।

2) उपन्यास के माध्यम से संवेदना जगाना।

3) उपन्यास के माध्यम से मानवी मूल्यों के प्रति आस्था निर्माण कराना ।

पाठ्यक्रम

पाठयपुस्तक :

1) **दौड़ : ममता कालिया**

प्रकाशक - वाणी प्रकाशन, 21-ए, दरियागंज,

नई दिल्ली -110002

.....

चतुर्थ सत्र (IV Semester)

HIN-241- A) हिंदी सामान्य 4 (G-4)

उद्देश्य :

1) छात्रों को खंडकाव्य विधा से परिचित कराना ।
2) छात्रों में पत्र-लेखन की क्षमता विकसित करना ।
3) छात्रों में शुध्दलेखन की क्षमता विकसित करना ।

पाठ्यक्रम

पाठ्यपुस्तक :

1) **कुरूक्षेत्र (खंडकाव्य)** - **रामधारीसिंह दिनकर**
प्रकाशक - राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली

अपठित अंश :

क) पत्रलेखन :
आवेदन - पत्र : नौकरी , छुटटी, शुल्क में रियायत हेतु ।

ख) केन्द्रीय हिंदी निदेशालय की वर्तनी संबंधी नियमावली का ज्ञान ।

संदर्भ ग्रंथ :

1) आधुनिक हिंदी व्याकरण और रचना -डॉ वासुदेवनंदन प्रसाद
प्रकाशक - भारती भवन, इलाहाबाद
2) हिंदी आलेखन एवं टिप्पण - ओमप्रकाश शर्मा
प्रकाशक - सन्मार्ग प्रकाशन , दिल्ली -1
3) देवनागरी लिपि तथा हिंदी वर्तनी का मानकीकरण
प्रकाशक – केन्द्रीय हिंदी निदेशालय , दिल्ली
4) सुबोध हिंदी व्याकरण एवं रचना - वीरेन्द्रकुमार गुप्ता
प्रकाशक – एस. चाँद ॲन्ड कंपनी , दिल्ली
5) मानक हिंदी व्याकरण – डॉ. लक्ष्मीकांत पाण्डेय
प्रकाशक – विद्या प्रकाशन , कानपुर
6) प्रयोजनमूलक हिंदी – डॉ. उर्मिला पाटील
प्रकाशक – अतुल प्रकाशन ,कानपुर

.....

HIN- 241- B) हिंदी प्रयोजनमूलक 4 (G-4)

(हिंदी सामान्य G-4 के लिए वैकल्पिक पेपर)

उद्देश्य :

1) अनुवाद प्रक्रिया के स्वरूप को समझाना ।
2) संचार एवं मुद्रित माध्यमों में हिंदी भाषा के प्रयोग की जानकारी देना ।
3) साक्षात्कार प्रणाली से परिचित कराना ।
4) शब्द संसाधन की जानकारी देना।

पाठ्यक्रम

1) अनुवाद प्रक्रिया : अनुवाद के सोपान, प्रकार,उद्देश्य, आवश्यकता, समस्याएँ और अनुवादक के गुण ।
2) संचार माध्यम और हिंदी भाषा : श्रव्य और दृश्य माध्यम - रेडिओ दूरदर्शन,सिनेमा,कम्प्युटर(संगणक), इंटरनेट का सामान्य परिचय, माध्यमों की उपयोगिता और हिंदी भाषा प्रयोग ।
3) मुद्रित माध्यम : पत्र, पत्रिका ,पोष्टर,हैंडबिल में हिंदी भाषा प्रयोग ।
4) शब्द संसाधन : मुहावरों का अर्थ एवं वाक्य में प्रयोग । (नमूना सूची संलग्न)
5) साक्षात्कार (भेटवार्ता) : साहित्यिक,कलाकार,पुरस्कार प्राप्त व्यक्ति, स्वतंत्रता सेनानी ,उद्योगपति, खिलाडी, कार्यालयीन अधिकारी ।

संदर्भ ग्रंथ :

1) मानक हिंदी और भाषा - डॉ. भोलानाथ तिवारी
प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली ।
2) प्रयोजनमूलक हिंदी अधुनातन आयाम - डॉ. अंबादास देशमुख
शैलजा प्रकाशन, कानपुर
3) हिंदी भाषा का प्रयोजनमूलक स्वरूप - डॉ. कैलासचंद्र भाटिया
साहित्य भवन प्रा.लि. इलाहाबाद
4) दृश्य - श्रव्य माध्यम लेखन - डॉ. राजेंद मिश्र
तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली -2

5) अनुवाद निरूपण – डॉ. भारती गोरे
विकास प्रकाशन , कानपुर
6) प्रयोजनमूलक हिंदी भाग 2और भाग3- डॉ. उर्मिला पाटील
अतुल प्रकाशन ,कानपुर
7) प्रायोगिक व्याकरण एवं पत्रलेखन - डॉ. गोस्वामी
विद्या प्रकाशन ,कानपुर

* प्रयोजनमूलक हिंदी (G-4)हेतु मुहावरों की नमूना सूची *

आग में घी डालना	-	क्रोध को भडकाना
आग लगाना	-	चुगली करना
अक्ल चरने जाना	-	बुध्दि नष्ट हो जाना
उलटी - सीधी सुनाना	-	फटकारना
एक आँख से देखना	-	समान व्यवहार करना
उँट के मुँह में जीरा	-	ज्यादा आवश्यकता वाले को कम देना
कमर टूटना	-	निराश हो जाना
कलई खुलना	-	भेद खुल जाना
खून के घूँट पीना	-	सह लेना , गुस्से को पी जाना
गले का हार बनना	-	अति प्रिय होना
गंगा नहाना	-	निवृत्त होना
घास खोदना	-	व्यर्थ समय बिताना
घर का बोझ उठाना	-	घर बार संभालना
घर सिर पर उठा लेना	-	शोर मचाना
घाट-घाट का पानी पीना	-	जगह - जगह घुमना
घोडे बेचकर सोना	-	बेफिक्र हो जाना
चाँद पर धूल उडाना	-	निर्दोष व्यक्ति में दोष निकालना
चिराग लेकर ढूँढना	-	तलाश करना
छक्के छुडाना	-	पराजित करना
छोटा मुँह बडी बात करना	-	हैसियत से बडी बात करना
जबान में लगाम न होना	-	उलटा - सीधा बकना

जान से हाथ धोना	-	जान गवाना
झक मारना	-	व्यर्थ में समय गवाना
टाँग अडाना	-	बाधा डालना
टका-सा जबाब देना	-	साफ इंकार करना
ढाक के तीन पात	-	जैसे के तैसे
तारे गिनना	-	नींद न आना
दिन काटना	-	समय बिताना
पट्टी पढाना	-	बहकाना
बालू की भीत जमाना	-	असंभव की आशा करना
भीगी बिल्ली बनना	-	चुपचाप रहना
विष उगलना	-	किसी के विरूध्द अनाप-शनाप कहना
आस्थिन का साँप	-	विश्वासघाती
आसमान टूटना	-	विपत्ति में पडना
खिचडी पकाना	-	गुप्त रूप से कार्य करना
गाजर - मूली समझना	-	अत्यंत शक्तिहीन समझना
टेढी खीर	-	कठिन कार्य
दाँत खट्टे करना	-	पराजित करना
दाल न गलना	-	कार्य न बनना
नाक रगडना	-	गिडगिडाना
पासा पलटना	-	परिस्थिति बदलना
बगल झाँकना	-	उत्तर न देना
भण्डा फूटना	-	भेद खुलना
मुँह फुलाना	-	असंतुष्ट होना , नाराज होना
रंग में भंग	-	आनंद में विघ्न
लट्टू होना	-	मुग्ध होना
हाथ मलना	-	पछताना
हवाई किले बनाना	-	निराधार बातें सोचना
अंधे की लकडी	-	एकमात्र सहारा
आँखों से गिरना	-	आदर घटना

.....

HIN - 242 - काव्यशास्त्र - हिंदी विशेष -3 (S-III)

उद्देश्य :

1) काव्यशास्त्र का सामान्य परिचय कराना ।
2) गद्य की विविध विधाओं से परिचित कराना ।
3) शब्दशक्तियों का परिचय कराना ।
4) छंद एवं रसों का परिचय कराना ।
5) आलोचना की क्षमता विकसित कराना ।

पाठ्यक्रम

1) शब्दशक्ति - अभिधा , लक्षणा और व्यंजना का सामान्य परिचय
   (उपभेदों का अध्ययन अपेक्षित नहीं)
2) गद्य के भेद –
   अ) उपन्यास , कहानी एवं नाटक
   (स्वरूप एवं तत्त्वों का विस्तृत परिचय ।)
   आ) एकांकी,निबंध,संस्मरण,रेखाचित्र,आत्मकथा,जीवनी,दूरदर्शन नाटक,रेडिओ नाटक ।
   (स्वरूप एवं तत्त्वों का सामान्य परिचय ।)
3) रस - शृंगार,करूण,वीर एवं शांत रस का सोदाहरण परिचय ।
4) आलोचना - स्वरूप, आवश्यकता एवं आलोचक के गुण ।
   (आलोचना के प्रकार अपेक्षित नहीं ।)
5) छंद - अ) छंद का काव्य में स्थान ।
   आ) निम्नलिखित छंदो का सोदाहरण परिचय
   मात्रिक छंद - दोहा चौपाई,सोरठा।
   वर्णिक छंद- इंद्रवज्रा,शिखरिणी, भुजंगप्रयात।

संदर्भ ग्रंथ :

1) साहित्य विवेचन - क्षेमचंद्र सुमन, योगेन्द्रकुमार मलिक
2) काव्यशास्त्र:विविध आयाम - सं. डॉ. मधु खराटे
3) काव्यशास्त्र - डॉ.भगिरथ मिश्र
4) काव्य प्रदीप - कन्हैयालाल पोद्दार
5) साहित्यशास्त्र - डॉ.चंद्रभानु सोनवणे

.....

HIN 243 नाटक विधा - हिंदी विशेष - 4 (S-IV)

उद्देश्य :

1) नाटक विधा की विशेषताओं से परिचय कराना ।

4) नाटक के माध्यम से मानवीय संवेदना जगाना।

5) नाटक के माध्यम से मानवी मूल्यों के प्रति आस्था निर्माण कराना ।

पाठ्यक्रम

पाठ्यपुस्तक :

1) नाटक : कबीरा खड़ा बजार में - भीष्म साहनी
राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

.....

द्वितीय वर्ष कला – हिंदी

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

तृतीय सत्र - III Semester

HIN-231-A) हिंदी सामान्य -3 (G-3)

समय : दो घंटे कुल अंक 40

प्र.क्र. 1)	कहानियों पर आधारित दीर्घोत्तरी प्रश्न		10
	अथवा		
	कहानियों पर आधारित दीर्घोत्तरी प्रश्न		
प्र. क्र. 2)	कहानियों पर आधारित लघुत्तरी प्रश्न (4 में से 2)		10
प्र. क्र. 3)	कहानियों पर आधारित ससंदर्भ व्याख्या (4 में से 2)		08
प्र. क्र. 4)	अ)	समानार्थी शब्द लिखिए (5 में से 3)	03
	आ)	विलोमार्थी शब्द लिखिए (5 में से 3)	03
	इ)	पल्लवन हेतु चार उक्तियाँ दी जायेगी उनमें से किसी एक का पल्लवन अपेक्षित	06

HIN- 231-B) प्रयोजनमूलक हिंदी - 3 (G-3)

(हिंदी सामान्य G-3 के लिए वैकल्पिक पेपर)

समय : दो घंटे कुल अंक 40

प्र. क्र. 1)	मानक हिंदी पर आधारित दीर्घोत्तरी प्रश्न	10
	अथवा	
	हिंदी का संवैधानिक स्वरुप पर आधारित दीर्घोत्तरी प्रश्न	
प्र.क. 2)	फाइलिंग प्रणाली पर लघुत्तरी प्रश्न (3 में से 2)	10
प्र. क्र. 3)	कार्यालयीन कार्यव्यवहार पर टिप्पणियाँ (3 में से 2)	10
प्र. क्र. 4)	क) कार्यालयीन पत्राचार पर आधारित पत्र का प्रारूप तैयार करना (2 में से 1)	06
	ख) अर्थभेदाकारी शब्दयुग्मों का अर्थ देकर वाक्य में प्रयोग (4 में से 2)	04

HIN-232 - काव्यशास्त्र - हिंदी विशेष -1 (S-1)

समय : दो घंटे कुल अंक 40

प्र. क्र. 1)	दीर्घोतरी प्रश्न	10
	अथवा	
	दीर्घोतरी प्रश्न	
प्र. क्र. 2)	लघुत्तरी प्रश्न (4 में से 2)	10
प्र. क्र.3)	टिप्पणियाँ लिखिए (4 में से 2)	10
प्र. क्र. 4)	अ) अलंकार पर आधारित लघुत्तरी प्रश्न	05
	आ) अलंकारों का सोदाहरण परिचय (2 में से 1)	05

(अलंकारों पर स्वतंत्र प्रश्न दिया गया है। अत: प्र. क्र. 1,2,3 में अलंकारों का समावेश नहीं होगा)

HIN - 233 - उपन्यास विधा - हिंदी विशेष-2 (S-2)

समय : दो घंटे | कुल अंक 40

प्र. क्र. 1)	उपन्यास पर आधारित दीर्घोत्तरी प्रश्न अथवा उपन्यास पर आधारित दीर्घोत्तरी प्रश्न	10
प्र. क्र. 2)	उपन्यास पर आधारित लघुत्तरी प्रश्न (3 में से 2)	10
प्र. क्र. 3)	उपन्यास पर आधारित टिप्पणियाँ (3 में से 2)	10
प्र. क्र. 4)	उपन्यास पर आधारित ससंदर्भ व्याख्या (3 में से 2)	10

द्वितीय वर्ष कला – हिंदी

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

चतुर्थ सत्र - IV Semester

HIN-241-A) हिंदी सामान्य -4 (G-4)

समय : दो घंटे | कुल अंक 40

प्र.क्र. 1)	`कुरूक्षेत्र` पर आधारित दीर्घोतरी प्रश्न अथवा `कुरूक्षेत्र` पर आधारित दीर्घोतरी प्रश्न		10
प्र. क्र. 2)	`कुरूक्षेत्र` पर आधारित लघुत्तरी प्रश्न	(4 में से 2)	10
प्र. क्र. 3)	`कुरूक्षेत्र` पर आधारित ससंदर्भ व्याख्या	(4 में से 2)	08
प्र. क्र. 4)	अ) पत्रलेखन (दो में से किसी एक पत्र का प्रारुप तैयार करना होगा)		06
	आ) वाक्य शुध्दिकरण (8 में से 6) (केन्द्रीय हिंदी निदेशालय की वर्तनी की नियमावली पर आधारित)		06

HIN - 241-B) प्रयोजनमूलक हिंदी - 4 (G-4)

(हिंदी सामान्य G-4 के लिए वैकल्पिक पेपर)

समय : दो घंटे कुल अंक 40

प्र. क्र. 1)	अनुवाद प्रक्रिया पर दीर्घोतरी प्रश्न	10
	अथवा	
	अनुवाद प्रक्रिया पर दीर्घोतरी प्रश्न	
प्र.क. 2)	संचार माध्यम और हिंदी भाषा पर आधारित लघुत्तरी प्रश्न (3 में से 2)	10
प्र. क्र. 3)	मुद्रित माध्यम पर आधारित टिप्पणियाँ (3 में से 2)	10
प्र. क्र. 4)	क) साक्षात्कार (2 में से 1)	06
	ख) मुहावरों का अर्थ देकर वाक्य में प्रयोग (4 में से 2)	04

HIN - 242 - काव्यशास्त्र - हिंदी विशेष -3 (S-3)

समय : दो घंटे कुल अंक 40

प्र. क्र. 1)	दीर्घोतरी प्रश्न	10
	अथवा	
	दीर्घोतरी प्रश्न	
प्र. क्र. 2)	लघुत्तरी प्रश्न (4 में से 2)	10
प्र. क्र.3)	टिप्पणियाँ लिखिए (4 में से 2)	10
प्र. क्र. 4)	अ) छंद पर आधारित लघुत्तरी प्रश्न	05
	आ) छंद का सोदाहरण परिचय (मात्रिक छंद को वर्णिक छंद अथवा के रूप में दिया जाएगा। उनमें से किसी एक छंद का सोदाहरण परिचय अपेक्षित)	05

(छंदों पर स्वतंत्र प्रश्न दिया गया है। अत: प्र. क्र. 1,2,3 में छंदों का समावेश नहीं होगा)

HIN - 243 - नाटक विधा - हिंदी विशेष-4 (S-4)

समय : दो घंटे | कुल अंक 40

प्र. क्र. 1)	नाटक पर आधारित दीर्घोत्तरी प्रश्न अथवा नाटक पर आधारित दीर्घोत्तरी प्रश्न	10
प्र. क्र. 2)	नाटक पर आधारित लघुत्तरी प्रश्न (3 में से 2)	10
प्र. क्र. 3)	नाटक पर आधारित टिप्पणियाँ (3 में से 2)	10
प्र. क्र. 4)	नाटक पर आधारित ससंदर्भ व्याख्या (3 में से 2)	10

---

* समकक्ष विषयों की सूची *

तृतीय सत्र (semester III)

अ.क्र	पुराना पाठ्यक्रम	अ.क्र.	नया पाठ्यक्रम
1	हिंदी सामान्य - I (G-2)	1	HIN-231-A) हिंदी सामान्य -3 (G-3)
2	प्रयोजनमूलक हिंदी - I (G-2)	2	HIN-231-B) प्रयोजनमूलक हिंदी - 3 (G-3)
3	काव्यशास्त्र - I हिंदी विशेष - I (S-1)	3	HIN-232 - काव्यशास्त्र - हिंदी विशेष -1 (S-1)
4	उपन्यास, नाटक एवं व्यंग्य विधा - I हिंदी विशेष - II (S-2)	4	HIN-233 - उपन्यास विधा - हिंदी विशेष-2 (S-2)

चतुर्थ सत्र (semester IV)

अ.क्र	पुराना पाठ्यक्रम	अ.क्र.	नया पाठ्यक्रम
1	हिंदी सामान्य – II (G-2)	1	HIN-241-A) हिंदी सामान्य -4 (G-4)
2	प्रयोजनमूलक हिंदी - II (G-2)	2	HIN-241-B) प्रयोजनमूलक हिंदी - 4 (G-4)
3	काव्यशास्त्र - II हिंदी विशेष - I (S-1)	3	HIN-242 - काव्यशास्त्र - हिंदी विशेष -3 (S-3)
4	उपन्यास, नाटक एवं व्यंग्य विधा - II हिंदी विशेष - II (S-2)	4	HIN-243 - नाटक विधा - हिंदी विशेष-4 (S-4)

डॉ. शिवाजी देवरे
अध्यक्ष
हिंदी अध्ययन मंडल
उमवि, जलगाँव

रोजगारभिमुख उपलब्धता

१. भाषा, कला, शिक्षा और संस्कृति के जरिए अलग-अलग भाषा के लाग अपने दृष्टिकोण को विशाल बना पाये हैं। इसमें अनुवादक की भूमिका महत्वपूर्ण होती है।

२. एक सफल अनुवादक निर्माण करना

३. भारतीय साहित्य और विश्वसाहित्य की कई कालजयी कृतियों का अनुवाद कराना।

४. अनुवाद के क्षेत्र में सेवारत व्यक्तियों के अनुभव, चिंतन, निरीक्षण और विश्लेषण केा विशेष महत्व देना।

५. भारतीय काव्यशास्त्र के समान भारतीय अनुवादशास्त्र की भी संकल्पना विकसित करना।

६. जनसंचार माध्यम द्वारा जानकारी या विचारां को समाज तक पहुँचाना ताकि सभी लोग जानकारी से अवगत हो सके और लाभ उठा सकें।

७. कहानियों के माध्यम से जीवन-मूल्यों से परिचित कराना।

८. फाइलिंग प्रणाली का ज्ञान, कार्यालयीन कार्यव्यवहार, कार्यालयीन पत्राचार के द्वारा रोजी रोटी के लिए मौके उपलब्ध कराना।

९. अर्थ भेदाकारी शब्द युग्म द्वारा हिन्दी भाषा को समृध्द करना।

१०.काव्यशास्त्र का सामान्य परिचय और विविध विधाओं से परिचित कराना।

११.उपन्यास विधा के द्वारा मानव जीवन के चरित्र को समझना।

१२.रेडिओं, दूरदर्शन, सिनेमा, संगणक, इंटरनेट का परिचय और उसके द्वारा रोजगारभिमुखता उपलब्ध कराना।

१३.नाटक के माध्यम से अभिनय क्षमता को विकसित करना।

१४.खण्डकाव्य द्वारा विश्व में युध्द और शांति की समस्या को जानना।

डॉ. शिवाजी देवरे
अध्यक्ष
हिंदी अध्ययन मंडल
उमवि, जलगाँव

---------XXX----------